'वास्तु-विद्या' का अनुक्रम

विषय		पृष्ठ संख्या
प्रकाशकीय	सुरेशचन्द जैन	I
लेखकीय	डॉ. गोपीलाल 'अमर'	III
सम्पादकीय	डॉ. सुदीप जैन	V
आशीर्वचन	सहितासूरि पं. नाथूलाल शास्त्री	VII
प्रस्तावना	डॉ. सुदीप जैन	X

वास्तु-विद्या का अर्थ और महत्त्व

वास्तु-विद्या का महत्त्व ... 1
निर्माण-कार्य : प्राचीन और आधुनिक ... 1
'वास्तु' शब्द का अर्थ ... 2
'वास्तु' और 'स्थापत्य' शब्दो की एकरूपता ... 3
'वास्तु' और 'शिल्प' शब्दो की तुलना ... 3
वास्तु-विद्या और 'कला' की समानता ... 3
वास्तु-विद्या : अतीत पर विहंगम दृष्टि ... 4

वास्तु-विद्या का अन्य विषयों से सम्बन्ध

वास्तु-विद्या और शिल्पशास्त्र ... 6
वास्तु-विद्या और चित्रकला ... 7
वास्तु-विद्या और धर्मशास्त्र ... 7
वास्तु-विद्या और अर्थशास्त्र ... 8
वास्तु-विद्या और समाजशास्त्र ... 8

वास्तु-विद्या पर उपलब्ध साहित्य

वास्तु-विद्या पर वैदिक साहित्य ... 10
करणानुयोग के ग्रंथों में वास्तु-विद्या ... 10
प्रतिष्ठा-पाठों मे वास्तु-विद्या ... 11
पंडित आशाधर कृत 'प्रतिष्ठा-सारोद्धार' ... 12
ठक्कुर फेरु कृत 'वत्थु-सार-पयरण' ... 13
अन्य विषयों के ग्रंथो मे वास्तु-विद्या ... 13

वास्तु-विद्या पर आधुनिक लेखन 14

वास्तु-विद्या और पर्यावरण

पर्यावरण की शुद्धता 15
पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश 15
पर्यावरण और वनस्पति-जगत् 17

द्रव्य की शुद्धता

सामग्री के चयन में द्रव्य की शुद्धता 18
उपकरणो या औज़ारों का स्तर 19

क्षेत्र की शुद्धता

भूमि के लिए देश और क्षेत्र का चयन 21
भूमि-परीक्षा की आवश्यकता 22
भूमि के ठोसपन की जाँच 22
भूमि के शुभ या अशुभ होने की जाँच 23
भूमि के चयन में ध्यान रखने-योग्य बाते 24
भूमि का आकार और स्थिति 24
भूमि की शुद्धता : शल्य-शोधन यंत्र 25

दिशा का विवेक

भूमि के चयन मे दिशा का महत्त्व 27
दिशा का प्रकृति से तालमेल 27
शांतिदायक ऐशान दिशा 28
दिशाओं के सम्बन्ध में व्यावहारिक नियम 29
शेषनाग-चक्र 30

काल की शुद्धता

ज्योतिष की दृष्टि से काल-निर्णय 32
वत्स-चक्र द्वारा मुहूर्त का ज्ञान 32

भाव की शुद्धता

आचार-विचार 34
कारीगरों की निष्ठा 34
स्थपति के गुण 35

स्थपति आदि का सम्मान. 36
प्रतिष्ठाचार्य का सम्मान 36

निर्माण-कार्य की रूपरेखा

लेआउट प्लान रेखा-चित्र और नक्शा 38
वास्तु-पुरुष मडल. 38
आयादि-षड्वर्ग ('वत्थु-सार-पयरण' से) 40
गृह और गृहस्वामी की राशि आदि का मिलान 41

आवास-गृहों के लक्षण

आवास-गृहो के सामान्य लक्षण 44
आवास-गृह और वृक्ष 45
सात प्रकार के वेध-दोषो से बचाव 46

आवास-गृहों के प्रकार

आठ प्रकार के आवास-गृह 47
सोलह प्रकार के आवास-गृह 48
चौसठ प्रकार के आवास-गृह 49
स्तभ-सख्या द्वारा परिचित घर 49

आवास-गृहों के अंग

आवास-गृहो के अग . सामान्य परिचय.. 52
आवास-गृह के अग : दुकान... 52
आवास-गृह में कहाँ, क्या बनाया जाए 53
सिह-द्वार (मेन गेट) की दिशा 54
सिह-द्वार और मुख्य-द्वार का संबंध..... 54
मुख्य-द्वार की ऊँचाई और चौडाई..... 55
गृहसज्जा का महत्त्व 55
निर्माण-कार्य मे ध्यान रखने-योग्य कुछ बातें 56

आधुनिक शैली का निर्माण

आवास-गृहो का सामूहिक निर्माण. 58
बहु-मजिले (मल्टी-स्टोरीड) भवन 58
औद्योगिक उपयोग के भवन 59
वास्तुविद्या के नये चमत्कार..... 60

मंदिर की अवधारणा

'मंदिर' शब्द का अर्थ और भावार्थ 62
जैन-मंदिर : समवसरण का प्रतीक 62
जैन तथा अन्य मंदिरों की समानता 63
मंदिर के अंग और विभाग 64
मंदिर का प्रमुख अंग 'मंडप' 66
जैन-मंदिरों का नामकरण 67
मंदिर (जिन-प्रासाद) के प्रकार 67
जैन-मंदिर का एक शास्त्रीयरूप 68

मंदिर के विविध रूप

चौबीसी मदिर 70
गृह-मंदिर 70
निषीधिका : निसई या नसिया 71
प्रतीकात्मक मदिर 72
सहस्रकूट 72
स्तूप : जैन स्थापत्य की अनूठी देन 72
आयाग-पटो पर उत्कीर्ण स्तूप 73

नगर-विन्यास

नगर-विन्यास और उसके कुछ उदाहरण 76
ग्रामो और नगरो के भेद 76
वैशाली नगरी का वर्णन 77
नगर-विन्यास : एक अनुचिंतन 78

जीर्णोद्धार का विधान

जीर्णोद्धार की परम्परा 80
जैन-मंदिरों का जीर्णोद्धार 80
जैन-मूर्तियों का जीर्णोद्धार 81
जीर्णोद्धार का मनोविज्ञान 82
उद्धरण और संदर्भ 84
पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या 94
सहायक ग्रन्थ-सूची 102